

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, किंग्स, सत्र 12, भाग 1

1 राजा 14-15, भाग 1

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

आप सभी का यहाँ होना अच्छा है।

आइए प्रार्थना से शुरुआत करें। प्रिय स्वर्गीय पिता, बोलने वाले परमेश्वर होने के लिए आपका धन्यवाद।

हम आपका धन्यवाद करते हैं कि यद्यपि आपके पास मुंह नहीं है, फिर भी आप बोलते हैं। आपने सदियों से अपने लोगों से बात की है, और आज भी आप हमसे बात करते हैं। आपके वचन के लिए धन्यवाद और इस बात के लिए कि पवित्र आत्मा की शक्ति के माध्यम से, आप स्वयं को हमारे सामने प्रकट कर सकते हैं।

और यही हमारी प्रार्थना है। आज हम सभी को अपने जीवन में आपकी आवाज़ सुनने में मदद करें। आपके नाम में, हम प्रार्थना करते हैं, आमीन।

हम 1 राजा अध्याय 14 और 15 को देख रहे हैं। और मैंने उन्हें शुरुआत और अंत शीर्षक दिया है। शुरुआत इसलिए क्योंकि ये अध्याय खास तौर पर यारोबाम और रहूबियाम से संबंधित हैं, जिन दो राजाओं ने विभाजित राज्य की शुरुआत की थी।

दक्षिण में यहूदा में रहूबियाम और उत्तर में इस्राएल के साथ यारोबाम। लेकिन न केवल हमारे पास विभाजित राज्य की शुरुआत है, बल्कि हमें इस बात के कुछ संकेत भी मिले हैं कि यह कहाँ जा रहा है, यह कहाँ समाप्त होने जा रहा है, विशेष रूप से उत्तर के लिए, बल्कि दक्षिण के लिए भी। हमारा पहला खंड अध्याय 14, श्लोक एक से 20 है।

अहिय्याह के साथ एक और मुठभेड़। याद रखें कि कुछ साल पहले यारोबाम ने यरूशलेम के बाहर नबी अहिय्याह से मुलाकात की थी, और अहिय्याह, जिसके पास एक नया वस्त्र था, ने उस वस्त्र को 12 टुकड़ों में फाड़ दिया और उनमें से 10 यारोबाम को दे दिए और कहा, परमेश्वर तुम्हें 10 उत्तरी जनजातियाँ देने जा रहा है। उसने उन्हें सुलैमान और सुलैमान के वंशजों के हाथ से छीन लिया है, और उसने उन्हें तुम्हें दे दिया है।

अब, कुछ साल बाद, एक और मुठभेड़ होती है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि इस बार, यारोबाम अहिय्याह से आमने-सामने मिलना नहीं चाहता। उसका बेटा, संभवतः उसका सबसे बड़ा बेटा, राजकुमार, बीमार है, और यारोबाम अपनी पत्नी से कहता है कि वह अपना भेष बदलकर शिलोह की यात्रा पर निकल जाए।

शिलोह, यारोबाम द्वारा चुनी गई राजधानी तिरज़ा से लगभग 20 या 25 मील दक्षिण में है। याद रखें कि शिलोह वह स्थान था जहाँ दाऊद के सिंहासन पर बैठने से पहले या शमूएल के समय में

पलिशितियों द्वारा इसे नष्ट किए जाने से पहले निवासस्थान था। इसलिए शायद अभी भी इसके बारे में पवित्रता की कुछ आभा है और इसीलिए अहियाह वहाँ है।

हम निश्चित रूप से नहीं जानते, लेकिन फिर भी, वह वहाँ है। अब, हम खुद से पूछते हैं, आपको क्यों लगता है कि यारोबाम अहियाह से मिलना नहीं चाहता था? और मुझे लगता है कि इसका उत्तर बहुत स्पष्ट है, है न? यदि आप पिछले सप्ताह हमारे साथ थे, तो आप जानते होंगे कि यारोबाम ने अपने डर से दो सुनहरे बैल बनाने का फैसला किया, एक को बेथेल में अपने राज्य के दक्षिणी छोर पर और दूसरे को दान में अपने राज्य के उत्तरी छोर पर रखा। उसने मूर्तियाँ बनाने का फैसला किया था।

उसने पवित्र कैलेंडर को बदलने का भी फैसला किया था। इसलिए, मुझे लगता है कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि यारोबाम जानता था कि वह क्या कर रहा था, और वह जानता था कि अहियाह, परमेश्वर का आदमी, यहोवा का आदमी, उससे खुश नहीं होने वाला था। और इसलिए, यारोबाम ने अपनी पत्नी से कहा, मैं चाहता हूँ कि तुम अपना भेस बदलो, मैं चाहता हूँ कि तुम अपनी पहचान छिपाओ और नीचे जाओ और द्रष्टा अहियाह से पूछो कि हमारा बेटा जीवित बचेगा या नहीं।

अब, यह मेरे लिए दिलचस्प है कि पाप आपको मूर्ख बनाता है। मेरा मतलब है, अगर आदमी भविष्य देख सकता है, अगर वह देख सकता है कि उसका बेटा मरने वाला है या नहीं, तो निश्चित रूप से, वह यह भी देख सकता है कि यह महिला कौन है जो उससे बात करने के लिए आ रही है। लेकिन पाप यही करता है।

पाप के कारण डेविड को लगा कि लोग यह नहीं समझ सकते कि डेविड और बाथशेबा की शादी के छह महीने बाद पैदा हुआ बच्चा एक समस्या होगी। लेकिन नहीं, पाप हमारे साथ ऐसा करता है। यह हमें अंधा बना देता है।

यही तो हुआ यहाँ। इसलिए, यारोबाम की पत्नी ने यात्रा की। अब, न केवल अहियाह उस महिला को पहचान नहीं पाया, बल्कि वह अंधा भी है।

तो, दो कारण हैं कि क्यों माना जाता है कि वह नहीं जानता था कि यह महिला कौन थी। लेकिन एक छोटी सी समस्या, परमेश्वर। परमेश्वर ने अहियाह से बात की और कहा, एक महिला तुमसे मिलने आने वाली है।

वह यारोबाम की पत्नी है। और मैं चाहता हूँ कि तुम उसे ऐसा जवाब दो। परमेश्वर कहता है, मैं तुम्हें बताऊँगा कि समय आने पर क्या कहना है, लेकिन बस इतना जान लो कि यह स्त्री जो आ रही है वह तुम्हारे राजा की पत्नी है।

अब, इस तरह का पूर्वज्ञान संदेश को सत्यता प्रदान करता है। चूँकि मैं जानता हूँ कि तुम कौन हो, यारोबाम की पत्नी, तुम यह निश्चित रूप से मान सकती हो कि मैं यह भी जानता हूँ कि तुम्हारे बच्चे के साथ क्या होने वाला है, और तुम्हारा बच्चा मरने वाला है। जब तुम तिरज़ा वापस आओगे, जब तुम शहर में प्रवेश करोगी, तो तुम्हारा बेटा मरने वाला है।

इस्राएली भविष्यद्वक्ता इसी तरह काम करते हैं। परमेश्वर उन्हें इस तरह की पुष्टि देता है। परमेश्वर उन्हें संकेत देता है जो यह संकेत देते हैं कि हाँ, वे जो कहते हैं वह सच होने वाला है क्योंकि उनके पास इस क्षण के बारे में ज्ञान का एक टुकड़ा है।

और इसलिए, जब वह अंदर आई, तो अहिय्याह ने दरवाजे पर उसके कदमों की आवाज़ सुनी, और उसने कहा, अंदर आओ, यारोबाम की पत्नी, यह दिखावा क्यों? तुम क्यों सोचती हो कि तुम मुझसे अपनी पहचान छिपा सकती हो जब तुम पूछ रही हो कि भविष्य में तुम्हारे बेटे का क्या होगा या कौन होगा? तो, तब जो संदेश आता है वह यारोबाम के लिए है। और अहिय्याह यारोबाम को याद दिलाता है कि क्या हुआ था। परमेश्वर ने यह राज्य यारोबाम को दिया था और उसने उसे यह वादा करके दिया था, अगर तुम मेरे साथ चलोगे जैसे मेरा सेवक दाऊद मेरे साथ चला, तो मैं भविष्य के लिए तुम्हारा राज्य स्थापित करने जा रहा हूँ।

अब याद रखें, बाइबल ने हमें यह नहीं बताया, लेकिन शायद यह उनका सबसे बड़ा बेटा है। यह राजकुमार है। यह उनका भविष्य है, यारोबाम राजवंश का भविष्य।

अहिय्याह ने कहा, मैं ने तुझे प्रजा में से उठाकर अपनी प्रजा इस्राएल का प्रधान ठहराया है। मैं ने दाऊद के घराने से राज्य छीनकर तुझे दे दिया है, परन्तु तू मेरे दास दाऊद के समान नहीं है। जो आज्ञा तुझे आरम्भ में दी गई थी, उसे तू ने पूरा नहीं किया।

अब ध्यान दें कि दाऊद ने क्या किया। उसने मेरी आज्ञाओं का पालन किया, पूरे मन से मेरा अनुसरण किया, और वही किया जो मेरी दृष्टि में सही था। हाँ, तीन बातें, तीन बातें।

मेरी आज्ञाओं का पालन करो। भगवान कहते हैं कि मैंने दुनिया को इसी तरह बनाया है। मैंने दुनिया को इसी तरह चलाने के लिए बनाया है।

और इसलिए ये निर्देश हैं। हमने इस बारे में पहले भी बात की है, और मैं इसके बारे में फिर से बात करूँगा, लेकिन पूरा विचार यह है कि, ठीक है, भगवान ये नियम और आदेश देते हैं, और वे मांग करते हैं कि मैं ये काम करूँ। यह कैसा भगवान है? लेकिन हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि भगवान की आज्ञाएँ उनके निर्देश हैं।

भगवान कहते हैं, जीवन ऐसे ही चलता है। अगर आप ये काम करते हैं, तो आपका जीवन चलता रहेगा। अगर आप ये काम नहीं करते, तो आपका जीवन नहीं चलेगा।

डेविड ने समझ लिया, मैं उसकी आज्ञाओं का पालन करूँगा। अब फिर से, हम हमेशा याद रखते हैं, हाँ, लेकिन बाथशेबा और उरीया के बारे में क्या? हाँ, वे नियम के अपवाद थे। भगवान हमें अपवादों के आधार पर न्याय नहीं करते हैं।

वह हमारे जीवन के चरित्र के आधार पर हमारा न्याय करता है। और कुल मिलाकर, दाऊद के जीवन का चरित्र बहुत स्पष्ट था। उसने परमेश्वर के निर्देशों का पालन किया।

और फिर उसने पूरे दिल से मेरा अनुसरण किया। हाँ, यह सिर्फ़ इतना ही नहीं था कि, ठीक है, तुम कहते हो कि यह करो, मैं वह करूँगा। तुम कहते हो, वह मत करो, मैं वह नहीं करूँगा।

ठीक है, नहीं, यह उससे कहीं ज़्यादा है। परमेश्वर नहीं चाहता कि हम सिर्फ़ निर्देशों का पालन करें। परमेश्वर जो चाहता है वह हमारा दिल है।

भगवान हमें चाहते हैं। और मुझे इस भाषा का अनुसरण करना बहुत पसंद है। भगवान किस तरफ जा रहे हैं? मैं उस तरफ जाना चाहता हूँ।

अब वह किस तरफ मुड़ रहा है? मैं उस तरफ मुड़ना चाहता हूँ। अब वह किस तरफ मुड़ रहा है? मैं उस तरफ मुड़ना चाहता हूँ। हृदय की भक्ति उसका अनुसरण करना है, जहाँ वह है, वहाँ रहना है, वह करना है जो वह करता है, उससे प्रेम करना है जिससे वह प्रेम करता है, और उससे घृणा करना है जिससे वह घृणा करता है।

और फिर उसने मेरी नज़र में सही काम किया। उसने वही किया जो मुझे सही लगा, जो मुझे पसंद आया, और जो मुझे पसंद नहीं आया, उसने वह नहीं किया। तो, यह बात है।

यही तो दाऊद की तरह चलना था और यारोबाम ने ऐसा नहीं किया। वास्तव में, तुमने अपने से पहले जीने वाले सभी लोगों से ज़्यादा बुराई की है। हे भगवान!

हे परमेश्वर, आप किस बारे में बात कर रहे हैं? क्या यारोबाम वाकई एक बुरा आदमी था? नहीं, यह बात नहीं है। बात यह है कि उसने अपनी इच्छा से, जानबूझकर यहोवा की मूर्ति बनाई। इसमें कोई अगर, कोई और या लेकिन नहीं है।

यहोवा है, और यहोवा एक सुनहरा बैल है। यहोवा इस दुनिया का हिस्सा है, इस दुनिया की समृद्धि का हिस्सा है, इस दुनिया की शक्ति का हिस्सा है। यही यहोवा है।

तुमने किसी और से ज़्यादा बुराई की है। तुमने मेरे लोगों को यह विश्वास दिलाया है कि मैं इस दुनिया का हिस्सा हूँ, और मैं इस दुनिया का हिस्सा नहीं हूँ। यही वह बात है जो मैं तुम्हें समझाने की कोशिश कर रहा हूँ।

मैं दुनिया से अलग हूँ। कितनी आसानी से, कितनी आसानी से आप और मैं भगवान को उन तरह की चीज़ों में बदल देते हैं। हो सकता है कि हमारे घर में यहोवा की कोई छोटी मूर्ति न हो, लेकिन हम उसे आसानी से इस दुनिया का हिस्सा बना सकते हैं ताकि वह हमारे उद्देश्यों की पूर्ति करे, हमारी देखभाल करे और हमें वह दे जो हमें चाहिए।

वह हमारा छोटा सा आशीर्वाद निर्माता है, और हमने उसे एक मूर्ति में बदल दिया है। भगवान कहते हैं कि तुमने अपने से पहले के सभी लोगों से ज़्यादा बुराई की है। हम अक्सर बुराई की प्रकृति को गलत समझते हैं।

हम घोर अनैतिकता देखते हैं, और हम कहते हैं कि हाँ, यह एक भयानक बुराई है, लेकिन भगवान कभी-कभी चीजों को थोड़ा अलग तरीके से देखते हैं। उसे अपना सेवक बनाने की कोशिश करना, वास्तव में, सबसे बुरी बात हो सकती है क्योंकि मैं खुद को भगवान बनाता हूँ, क्योंकि मैं दुनिया को खुद और अपनी जरूरतों पर केंद्रित करता हूँ। यह कोई संयोग नहीं है कि ऐतिहासिक चर्च ने कहा है कि सबसे घातक पाप घमंड है।

गर्व, मैं, खुद और मैं। मैं हर चीज का केंद्र हूँ। आपने अपने लिए दूसरे देवता और धातु की मूर्तियां बनाई हैं। आपने मेरा गुस्सा भड़का दिया है, और फिर से, मुझे यह भाषा बहुत पसंद है।

तुमने मुझे अपनी पीठ के पीछे धकेल दिया है। तुमने मुझे अपनी सेवा, अपने लक्ष्यों और अपने उद्देश्यों के लिए अपने पीछे धकेल दिया है, और तुमने यह नहीं पूछा कि मैं कहाँ जा रहा हूँ। तुमने कहा है कि मैं यहीं जा रहा हूँ, और परमेश्वर, तुम मेरा अनुसरण कर सकते हो। तो, यारोबाम का व्यवहार दाऊद के व्यवहार के विपरीत प्रतिबिम्ब रहा है।

जो काम दाऊद ने किए, वे वही काम थे जो यारोबाम ने नहीं किए, और जो काम दाऊद ने नहीं किए, वे वही काम यारोबाम ने किए। इसलिए, वह पद 10 में कहता है, इस वजह से, मैं यारोबाम के घराने पर विपत्ति लाने जा रहा हूँ। मैं यारोबाम के घराने के हर एक पुरुष को, चाहे वह गुलाम हो या स्वतंत्र, काट डालूँगा।

मैं यारोबाम के घर को ऐसे जला दूँगा जैसे गोबर को तब तक जलाया जाता है जब तक कि वह पूरी तरह से खत्म न हो जाए। हमें बताइए कि आप इसके बारे में कैसा महसूस करते हैं, भगवान। यह एक त्रासदी है, एक भयानक त्रासदी।

और इसलिए, वह कहता है, तुम्हारा यह बेटा, जो तुम्हारे बाद सिंहासन पर बैठता, तुम्हारे बेटों में से यह बेटा ही एकमात्र ऐसा है जिसे सम्मानपूर्वक दफ़न किया जाएगा। तुम्हारे बाद जो दूसरे लोग आएंगे, उन्हें युद्ध के मैदान में फेंक दिया जाएगा, और ठीक वैसा ही हुआ। उनके बेटे, नादाब, जो उनके बाद सिंहासन पर बैठे, की हत्या कर दी गई, और हमें उनके दफ़न के बारे में कुछ भी नहीं बताया गया।

जाहिर है, उसका शरीर बस खुला छोड़ दिया गया है। तो, विडंबना यह है कि हम कहेंगे, ओह, कितना दुखद है, तुम्हारा यह बेटा मर गया। और भगवान कहते हैं, ठीक है, उसे एक सभ्य अंतिम संस्कार मिलेगा क्योंकि बाकी में से कोई भी नहीं है।

इसलिए, श्लोक 14 में, प्रभु अपने लिए इस्राएल पर एक राजा खड़ा करेगा जो यारोबाम के परिवार को नष्ट कर देगा। हाँ, कोई और आ रहा है। तुम्हारा वंश जिसके बारे में मैंने कहा था कि वह हमेशा के लिए स्थापित हो जाएगा, वास्तव में, तुम्हारे अपने एक बेटे से आगे नहीं बचेगा और यह खत्म हो जाएगा क्योंकि परमेश्वर इसे फिर से खड़ा करेगा।

अब श्लोक 15 को देखें: प्रभु इस्राएल को ऐसा मारेगा कि वह पानी में लहराते हुए नरकट की तरह हो जाएगा। वह इस्राएल को इस अच्छी भूमि से उखाड़ देगा जो उसने उनके पूर्वजों को दी

थी और उन्हें फरात नदी के पार तितर-बितर कर देगा। क्या? नहीं, हम निर्वासन के बारे में बात कर रहे हैं।

असीरियनों ने पहले ही इस प्रथा को अपनाना शुरू कर दिया था, क्योंकि वे दक्षिण में बेबीलोन से लेकर उत्तरी सीरिया और दक्षिण-पश्चिम में मिस्र तक प्राचीन दुनिया में छा गए थे। उनके सामने एक समस्या थी। आप इन सभी अलग-अलग संस्कृतियों, इन सभी अलग-अलग धर्मों और इन सभी अलग-अलग भाषाओं को कैसे संभालते हैं? खैर, आप जो करते हैं वह यह है कि आप उन सभी को एक साथ मिला देते हैं।

आप उन्हें मिक्स मास्टर में डालते हैं, और आप उन्हें एकरूप बनाते हैं। और इसलिए यहाँ पहले से ही शायद 9, 10, 190 साल पहले जब इज़राइल वास्तव में निर्वासन में गया था, पैगंबर कहते हैं, वह उन्हें तितर-बितर कर देगा, वह उन्हें इस अच्छी भूमि से उखाड़ देगा जो उसने उनके पूर्वजों को दी थी, उन्हें फरात नदी के पार तितर-बितर कर देगा क्योंकि उन्होंने अशेराह खंभे बनाकर भगवान के क्रोध को भड़काया था। अशेराह उर्वरता की देवी थी, कनानी उर्वरता की देवी।

जाहिर है कि उसकी पूजा की जाती थी, और इस बारे में चर्चा होती है, लेकिन उसकी पूजा चिनार के पेड़ों के झुरमुटों में की जाती थी। और पुरुष यौन अंग से उसका संबंध बहुत स्पष्ट है। और इसलिए, जैसा कि हमने यहाँ देखा, उन्होंने अशेरा खंभे खड़े किए।

प्रजनन क्षमता, हमारे पास प्रजनन क्षमता होनी चाहिए। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे, तो हम सब मर जाएंगे। यही तुमने किया।

अब, मेरा सवाल यह है कि, क्या यह सब खत्म हो गया है? मैंने इस भाग को शुरुआत और अंत कहा है। क्या यह सब खत्म हो गया है? क्या अब इस्राएल का भाग्य तय हो गया है? और इसका जवाब बहुत ही दृढ़ हाँ और नहीं है। और यह बाइबल की बहुत ही खासियत है।

आप जिस तरह से चल रहे हैं, उसी तरह से चलते रहें, और मैं आपको बता सकता हूँ कि कहानी का अंत क्या होगा। लेकिन यहाँ अच्छी खबर है। आपको जिस तरह से चल रहे हैं, उसी तरह से चलते रहने की ज़रूरत नहीं है।

आप जैसे हैं वैसे ही बने रहें, यह तय हो चुका है। यह खत्म हो चुका है। लेकिन आपको इसी तरह बने रहने की ज़रूरत नहीं है।

और अगर आप चाहें, तो नहीं, हम उस रास्ते पर नहीं चलेंगे जिस पर हम चलते आए हैं। हम उन पापों में नहीं चलेंगे जो हम करते आए हैं। हम उस घमंड में नहीं चलेंगे जिसमें हम जीते आए हैं।

हम घुटनों के बल गिरेंगे, पश्चाताप करेंगे, पीछे मुड़ेंगे और हम भगवान के साथ चलेंगे। और भगवान कहते हैं, अच्छा, ऐसा नहीं होने वाला है। बुतपरस्ती कहती है, ओह हाँ, सब कुछ किस्मत में लिखा है।

यह सितारों में है। यह पक्षियों में है। यह जिगर में है।

बाइबल कहती है, ओह, इसके परिणाम हैं, पूर्वानुमानित परिणाम। लेकिन परमेश्वर की स्तुति करो, इसके अन्य परिणाम भी हैं। और आप ऐसा चुनाव कर सकते हैं जो भविष्य को बदल देगा।

पुराने नियम में भविष्यवाणी की सेवकाई का मूल यही है। और यही एक शब्द है जिसे मैं आज आपके साथ साझा करना चाहता हूँ। क्या कोई ऐसा मार्ग है जिस पर आप चल रहे हैं? ऐसा मार्ग जिसके परिणाम पहले से ही तय हैं? मैं आपको यह बताने आया हूँ कि आपको उस मार्ग पर बने रहने की ज़रूरत नहीं है।

आपका मार्ग चाहे जो भी रहा हो, आपकी परिस्थितियाँ जो भी हों, आपके जीन जो भी हों, जो भी कहते हों, आपके पास कोई विकल्प नहीं है। मैं यहाँ यह कहने आया हूँ कि आपके पास विकल्प है। पवित्र आत्मा की शक्ति से, आप अपना मार्ग बदल सकते हैं। ऐसा हो सकता है।